मेहनतकशों का पैग़ाम
मेहनतकशों के नाम

मज़दूर मोर्चा

साप्ताहिक

Email : mazdoormorcha1987@gmail.com
www.mazdoormorcha.com
Postal Reg. No. L-2/FBD/463/2018-20 /R.N.I. No. 66400/97

करनाल का मोर्चा	3
अर्नब की गिरफ्तारी पर शोर क्यों	4
अमेरिका और भारत का लोकतंत्र खतरे में	5
बिहार में रोजगार के रास्ते आएगी कानून-व्यवस्था	6
पुलिस को दंगे का इंतजार ?	8

वर्ष 33 | अंक 52 | फरीदाबाद | 8-14 नवम्बर 2020 | फोन-8851091460 | ₹3.00

बुटाना गैंगरेप और फर्जी एनकाउंटर कांड में डीजीपी हरियाणा और एसपी सोनीपत से जवाब तलब

प्रदेश में नागरिक और छात्र संगठनों का 10 नवम्बर को प्रदर्शन

मज़दूर मोर्चा ब्यूरो

चंडीगढ़: बुटाना गैंगरेप कांड और कथित एनकाउंटर मामले में पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार, डीजीपी हरियाणा और एसपी सोनीपत को नोटिस देकर जवाब तलब किया है। इस बीच हरियाणा के तमाम छात्र, सामाजिक, नागरिक और कर्मचारी संगठनों ने इस घटना के विरोध में प्रदेशव्यापी प्रदर्शन की घोषणा कर दी है। मज़दूर मोर्चा पिछले दो महीने से इस मामले को लगातार उठा रहा है।

पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट में जस्टिस मंजरी कौल की अदालत ने इस सनसनीख़ेज़ घटना पर हरियाणा सरकार, डीजीपी और एसपी सोनीपत से कहा है कि वह 16 नवंबर तक इस मामले में अपना पक्ष और अब तक हुई कार्रवाई की जानकारी दे।

पाठकों को याद होगा कि 29-30 जून की आधी रात को सोनीपत जिले के बुटाना गाँव में गश्त पर निकले दो पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी गई। अगले दिन पुलिस ने अमित नामक युवक को कुख्यात बदमाश बताते हुए जीन्द में उसका कथित एनकाउंटर कर दिया। पुलिस का आरोप है कि अमित ने अपने दोस्तों और दो लड़कियों के साथ मिलकर दोनों पुलिसकर्मियों की हत्याएँ की हैं। इसके अलावा बुटाना पुलिस ने बुटाना गाँव में उन दोनों लड़कियों की तलाश में कई लड़कियों को उठाया और उन्हें पुलिस चौकी ले गई।

आरोप है कि लड़कियों के कपड़े तक उतरवाये गये और उन्हें पीटा गया। गाँव पर

जब पुलिस का दबाव बढ़ा तो गाँव के दलित परिवार ने अपनी लड़कियों को लेकर बुटाना पुलिस चौकी पहुँचीं और बताया कि ये दोनों बहने उस रात मौक़े पर थीं। इनमें से एक नाबालिग़ है। अमित उनका दोस्त था और उनमें से एक के साथ इसकी शादी भी होने वाली थी। पुलिस ने दोनों लड़कियों को हिरासत में ले लिया और उनकी माँ को भेज दिया। कई दिन बाद दोनों को गिरफ्तार कर इस केस में फँसा दिया गया। लेकिन उनके साथ बुटाना पुलिस चौकी में दहलाने वाली घटनाएँ हुईं।

हाईकोर्ट के जाने माने एडवोकेट राजविन्दर सिंह बैंस के जरिए दोनों दलित लड़कियों में से एक की माँ ने अदालत में दाखिल याचिका में कहा कि जिन दो पुलिसकर्मियों की हत्या की बात कही गई है, दरअसल उन दोनों ने दोनों लड़कियों को अमित के साथ देखकर कहा था कि उन्हें पुलिस वालों के हवाले कर दे। अमित ने इसका विरोध किया। दोनों पुलिसकर्मियों ने जब लड़कियों से ज़बरदस्ती करनी चाही तो अमित ने चाकू से उनका बचाव करते हुए दोनों पुलिसकर्मियों पर वार किये। याचिका में आरोप लगाया गया है कि नाबालिग़ दलित लड़की और उसकी बहन से 10-12 पुलिस वालों ने कई दिन तक गैंगरेप किया। फिर उन्हीं को हत्या का मुलजिम बना दिया गया। उनके प्राइवेट पार्टस में बोतल घुसेड़ी गई।

घटना के विरोध में जब छात्र और नागरिक संगठनों ने प्रदर्शन किया तो राज्य महिला आयोग के हस्तक्षेप पर सोनीपत के महिला थाने में पुलिस वालों के खिलाफ गैंगरेप की एफआईआर दर्ज की गई। इसमें तीन पुलिस वालों के नाम हैं। लेकिन सोनीपत पुलिस ने नामज़द आरोपी पुलिसवालों पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं की। अदालत से माँग की गई है कि उन लड़कियों को फ़ौरन रिहा किया जाए और फेक एनकाउंटर व गैंगरेप मामले की जाँचकर उन पर कार्रवाई की जाए।

गुस्से में नागरिक संगठन

बुटाना गैंगरेप मामले में नागरिक संगठन अभी भी गुस्से में हैं। हरियाणा के तमाम छात्र और नागरिक संगठनों की कमेटी ने 'जस्टिस फ़ॉर बुटाना कस्टोडियल गैंगरेप विक्टिम' का गठन कर 10 नवम्बर को प्रदेशव्यापी प्रदर्शन का ऐलान किया है। इस मुद्दे पर छात्र संगठन के अंकित और प्रवेश कुमारी बेहद सक्रिय हैं और लगातार आंदोलन चला रहे हैं।

इस कमेटी की माँग है कि दोनों दलित लड़कियों की मेडिकल जाँच एम्स या पीजीआई चंडीगढ़ से कराई जाए, आरोपी पुलिसवालों को गिरफ्तार किया जाए और घटना की जाँच हाईकोर्ट के किसी जज से कराई जाए।

भीम आर्मी का अजीबोग़रीब रवैया

भीम आर्मी का रवैया इस मामले में बड़ा ही अजीबोग़रीब है। एक तरफ भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चन्द्रशेखर ने 31 अक्टूबर को अपनी बरोदा चुनावी रैली में बुटाना कांड का कई ज़िक्र नहीं किया। दूसरी तरफ भीम आर्मी हरियाणा ने हरियाणा सरकार को इस मामले में सात नवम्बर तक का अल्टीमेटम दिया था। भीम आर्मी के प्रदेश अध्यक्ष मंजीत सिंह नौटियाल ने हाल ही में फ़ेसबुक लाइव में इस घटना को लेकर ईंट से ईंट बजाने की धमकी दोहराई है। प्रदेश संगठन ने दस नवम्बर के प्रदर्शन को भी समर्थन दिया है।

खिलाड़ी भूखे रहे, मंत्री मूलचंद भाषण देकर खिसक गये

फरीदाबाद: बीते एक नवम्बर को हरियाणा प्रदेश में खेल दिवस मनाया गया। खेल दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेश के सभी जिलों में सरकार के अलग-अलग नुमाइंदों ने जिला खेल परिसरों में विभिन्न खेलों का आयोजन करवाया।

इसी क्रम में फरीदाबाद के खेल परिसर में खेलों का आयोजन किया गया जिसमे जिले के कोने-कोने से खिलाड़ी शामिल हुए। लांग-जम्प के खिलाड़ी सुमित ने बताया कि परिवहन मंत्री मूलचंद ने सभी बच्चों को दुश्मनों से देश की सुरक्षा करने की शपथ दिलवाई है। पर किन दुश्मनों से देश को बचाना है, सुमित को नहीं पता।

सुबह से दोपहर तक चले इस पूरे कार्यक्रम में शिरकत करने वाले खिलाड़ियों को रिफ्रेशमेंट के नाम पर कुछ नहीं दिया गया। गोछी से आई एथलेटिक्स की खिलाड़ी गीता ने बताया कि खाने के लिये कुछ देना तो दूर की बात पीने के लिए साफ पानी तक उपलब्ध नहीं करवाया गया है। गीता की ही तरह अन्य सभी खिलाड़ियों को भी पानी तक नहीं दिया गया। एक वाटरकूलर के भरोसे हजारों खिलाड़ियों को छोड़ दिया गया, जबकि कोरोना के समय में पानी के लिए लगने वाली भीड़ और खतनाक साबित हो सकती है। वहीं वाटरकूलर पर खिलाड़ी टैप को दबा कर सीधे मुंह से पानी पीने को मजबूर थे, ऐसे में कोरोना संक्रमण का खतरा कितना बढ़ गया समझा जा सकता है।

इस पूरी अव्यवस्था पर अधिकारियों से बात करने पर उन्होंने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि आयोजन का बजट ही मात्र 10 हजार रुपये था जिसे किन्ही कारणों से बढ़ा कर 20 हजार किया गया। अब इतने कम पैसों में सबको खाना पानी कैसे दिया जा सकता है जबकि मंत्री मूलचंद और अन्य अधिकारियों के बैठने के लिए सोफे और शामियाने के खर्च के साथ उनका चाय नाश्ता ही इतने पैसों में पूरा नहीं हो पाया।

इस आयोजन के बजट के पैसे जब मिलेंगे तब मिलेंगे पर तब तक खर्च भी विभाग के कर्मचारी अपनी जेब से लगाये बैठे हैं। यानी खुद के बैठने, खाने पीने की भरपूर व्यवस्था कर ली मंत्री जी ने पर खिलाड़ियों को खाली पेट भारत माता को अदृश्य दुश्मनों से बचाने का टास्क बेचारे बच्चों पर डाल गए। अब ये बच्चे ग्राउंड में सड़े तेल में तले चने बेचते फेरी वाली की नमकीन खा कर या तो मैडल ले आयें या देश के न दिखाई देने वाले दुश्मनों से भिड़ जाएँ।